

मेवाड़ में बीएड-बीटीसी के विद्यार्थियों के ओरियंटेशन कार्यक्रम आयोजित  
धारा के विपरीत चलने वालों को पूजता है समाज-डॉ. अलका  
- नवागंतुक विद्यार्थियों को दीं अनेक उपयोगी जानकारियां

गाजियाबाद। 'धारा के विपरीत चलने वाले लोग हमेशा समाज में पूजे जाते हैं। इसलिए धारा के विपरीत चलने की चुनौती स्वीकार कर आगे बढ़ना चाहिये।' मेवाड़ गुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के ऑडिटरियम में आयोजित ओरियंटेशन कार्यक्रम में इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने नवागंतुक बीएड बैच 2017-19 व बीटीसी के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि और कॉलेजों की तरह फीस और हाजिरी में छूट न देकर शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने में मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस का नाम पूरे एनसीआर में सबसे आगे है। उनके यहां विद्यार्थियों ने दाखिले लेकर साबित कर दिया है कि वे गुणवत्तायुक्त शिक्षा पाने के अलावा समाज की मुख्यधारा से जोड़ने वाले विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भी शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके करियर व बीएड करने के फैसले पर अनेक सवाल-जवाब किये। डॉ. अलका ने कहा कि अपनी मर्जी से बीएड कर समाज में नई पीढ़ी को संस्कारित करने की जिम्मेदारी नौजवानों की है। युवा पीढ़ी को शिक्षित और सामाजिक व सांस्कृतिक चेतना की गतिविधियों में दीक्षित करने का दायित्व मेवाड़ बखूबी निभाता रहा है और आगे भी निभाएगा।

मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने कहा कि मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस और शिक्षण संस्थानों से अलग है। यहां भिन्न शिक्षण पद्धति के अलावा अनेक सामाजिक, सांस्कृतिक व देशभक्तिपूर्ण गतिविधियों से विद्यार्थियों को रूबरू कराया जाता है। उनका यह मिशन निरंतर जारी रहेगा। ओरियंटेशन कार्यक्रम में मेवाड़ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में शिक्षा विभाग की प्रभारी डॉ. गीता रानी ने मेवाड़ से बीएड करने के फायदे बताये तो डिप्टी डायरेक्टर प्रमोद मदेसिया ने कोर्स की विविधता की व्यापकता पर प्रकाश डाला। बीटीसी के हैड अमित कुमार बबरेवाल ने हाजिरी व नियम के बारे में जानकारी दी। बबीता सिंह ने प्लेसमेंट व कैम्पस इंटरव्यू के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया तो जैना सुशील व हरमीत कौर ने शिक्षा, मेवाड़ की सांस्कृतिक गतिविधियों व आपसी सहयोग की भावना को अपने सम्भाषण में इंगित किया। हिमानी रायजादा, सपना रल्हन व मानवी त्यागी ने कॉलेज में अनुशासन बनाये रखने की हिदायतें दीं।

